

Training and awareness programme on Timber markets of Important Agroforestry species for Development of Agroforestry in Eastern U. P. in Allahabad district by CSFER, Allahabad

A one-day farmers training programme on **Development of agroforestry in Eastern UP** for creating awareness amongst farmers of Malkapur Gram Sabha , Phoolpur Tehsil, Allahabad for existing market facilities of timber of important species and tree harvesting rules of UP forest department and traditional agroforestry models in combination with medicinal plants was organized under direction of Dr. V. K. Bahuguna, DG, ICFRE and Dr. S. P. Singh , DDG (Admin) ICFRE, Dehradun and Sri M. K. Shukla, Director, CSFER Allahabad on 08.03.2013. Smt. Sushma Pasi , Block Pramukh, Phoolpur and Sri B. D. Singh, Ex-President Jila Panchayt graced the occasion. Dr. Anubha Srivastav, organizer of the programme welcomed participants and explained the objective of programme for developing agroforestry in the region. Dr. B. K. Pandey, Scientist CSFER emphasized on cultivation of shade loving medicinal plants under traditional orchards of Mango, Mahua, Aonla, Bamboos etc. in agroforestry models. Dr. Anubha Srivastav, Research Officer working under Timber market project highlighted about important timber species as Eucalyptus, Poplar, Shisham, Sagaun, Aonla etc for agroforestry models as per availability of land to the farmers. Dr. Srivastav distributed literature on tree harvesting rules for important timber species for all districts of UP. She also gave information to the farmers regarding available market facilities as about plywood/ veneer industries , saw mills, van nigam etc. for sale of their wood products grown in agroforestry . Dr. V. P. Pandey, Research Assistant also gave information on control measures of diseases of important agroforestry trees. The representatives from forest department, sawmills, Gram Pradhan and other resource persons were present on the occasion. The farmers also discussed the practical problems in selling of timber produces in the region. They interacted with resource persons for information regarding availability of planting material and sale of their wood products in the market. The programme was successfully organized by Dr. Anubha Srivastav, Research Officer with assistance of Sri Prabhakar Singh, JRF under the project .



A view of training programme



Dr. Anubha Srivastav delivering lecture in the training

इलाहाबाद अंचल जागरण

धरती को वृक्षों से सजाना होगा

♦ पारम्परिक बागवानी के साथ औषधीय पौधे लगाये किसान

फूलपुर, इलाहाबाद: बिगड़ते हुए पर्यावरण को संतुलित बनाये रखने बढ़ती हुई गर्मी एवं ठंड से निजात पाने के लिए धरती को वृक्षों से सजाना होगा।

उक्त बातें विकास खण्ड फूलपुर के मलकापुर गांव में स्थानीय सामाजिक वानिकी केन्द्र इलाहाबाद द्वारा आयोजित एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख सुषमा भारतीय ने कही। प्रगतिशील किसान बीडी सिंह ने कहा कि किसान वृक्षों के नीचे एवं घर के अगल-बगल खाली जमीन पर सतावरी सर्पगंधा जैसी औषधीय खेती कर अपनी आय को बढ़ा सकते हैं।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. वीके पाण्डेय ने सामाजिक वानिकी एवं पारिपुर्नस्थापन केन्द्र इलाहाबाद द्वारा कृषकों के उत्थान के लिए किये जा रहे कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन अनुसंधान अधिकारी अनुपमा श्रीवास्तव ने किया। उक्त अवसर पर डा. वीपी पाण्डेय, प्रधान ज्ञान चन्द्र प्रजापति, वन दरोगा वासूचन्द्र त्रिपाठी,



कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करती फूलपुर ब्लाक प्रमुख सुषमा भारतीय एवं अरमेशचन्द्र केसरी, रामचन्द्र तिवारी, सप्त मौर्य, अतुल रोशनलाल, भैया राम यादव उ बहादुर, डा. राम जियावन, रण विजय, सोनू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

Dainik Jagran 09.03.13

औषधीय खेती आमदनी बढ़ाने का अच्छा उपाय

बाबूगंज | हिन्दुस्तान संवाद

किसानों को आमदनी में तेजी से इजाफा करने के लिए औषधीय खेती करनी चाहिए। यह बातें भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डॉ. वीके बहुर ने फूलपुर मलकापुर में आयोजित पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'वानिकी का विकास' विषयक एक दिवसीय कृषक ट्रेनिंग प्रोग्राम में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उप महानिदेशक डॉ. एसपी सिंह ने कहा कि वानिकी कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं। किसानों को अभी इसकी पूरी जानकारी नहीं है। इस क्षेत्र में काम कर रही संस्थाओं को इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाना चाहिए।

निदेशक श्री एमके शुक्ल ने कहा कि

आंवला, सागौन, शीशम, यूकोलिप्टस आदि के रोपण के समय पूरी जानकारी प्राप्त करके ही रोपण करना चाहिए। जानकारी के अभाव में इन पौधों का सम्पूर्ण विकास नहीं हो पाता है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बीडी सिंह ने प्रतिभागियों से अपील की कि पेड़ों को कटने से बचाएं।

जब पेड़ ही नहीं रहेंगे तो यह सृष्टि भी नहीं रहेगी। ब्लाक प्रमुख सुषमा भारतीया ने सभी किसानों को अपने जीवन काल में अंशु वृक्षारोपण करने की अपील की। संचालन अनुसंधान अधिकारी सीएसएफई डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किसानों का हरियाली के लिए पेड़ लगाने की अपील किया। इस दौरान ज्ञान चन्द्र, वनक्षेत्राधिकारी एमएस यादव आदि रहे।

Hindustan 09.03.13